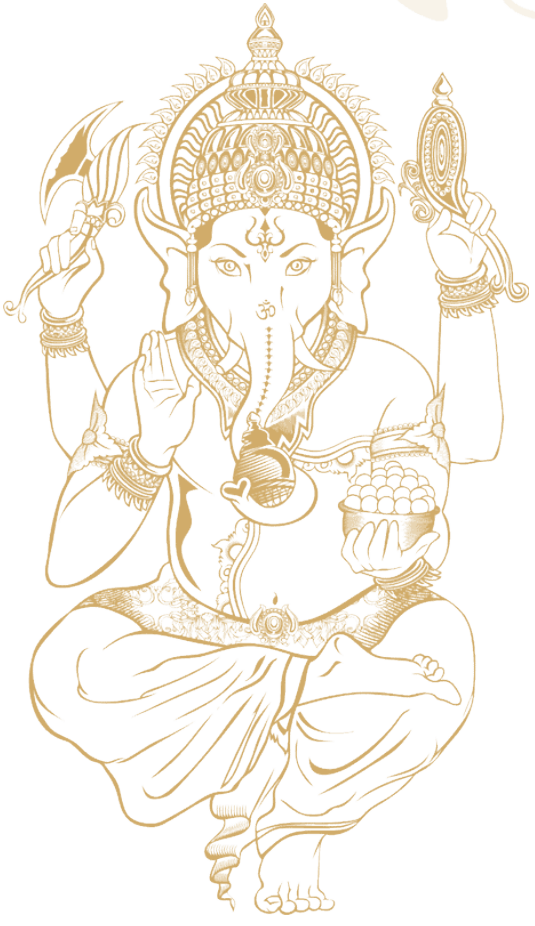

Samarth Arya

18 Jun 1994

02:50 AM

Agra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327608

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17-18/06/1994**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:50:00 घंटे**
इष्ट	53:36:07 घटी
स्थान	**Agra**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:09:00 उत्तर
रेखांश	78:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:32:00 घंटे
वेलान्तर	-00:00:47 घंटे
साम्पातिक काल	20:15:34 घंटे
सूर्योदय	05:23:33 घंटे
सूर्यास्त	19:14:07 घंटे
दिनमान	13:50:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:39:35 मिथुन
लग्न के अंश	21:13:24 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ष-षडबली
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:13:24	433:41:51	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			मिथु	02:39:35	00:57:17	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	सम राशि
चंद्र			कन्या	16:30:23	14:10:35	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			मेष	24:40:26	00:43:39	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	स्वराशि
बुध	व	अ	मिथु	13:40:43	00:21:18	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	स्वराशि
गुरु	व		तुला	11:17:17	00:02:33	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	09:14:40	01:10:17	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कुंभ	18:35:49	00:00:31	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	29:35:56	00:01:11	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
केतु			मेष	29:35:56	00:01:11	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	मित्र राशि
हर्ष	व		मक	01:41:15	00:02:00	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप	व		धनु	28:52:16	00:01:24	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
प्लूटो	व		वृश्चि	02:06:01	00:01:22	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मक	07:51:56	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:00

लग्न-चलित

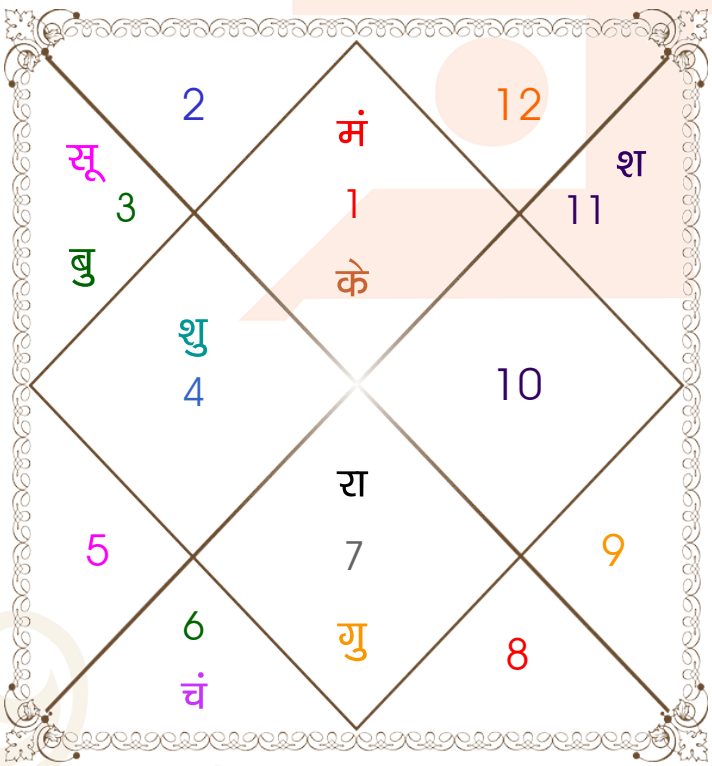

चन्द्र कुंडली

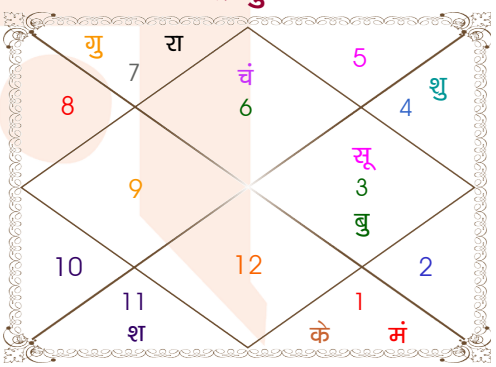

नवमांश कुंडली

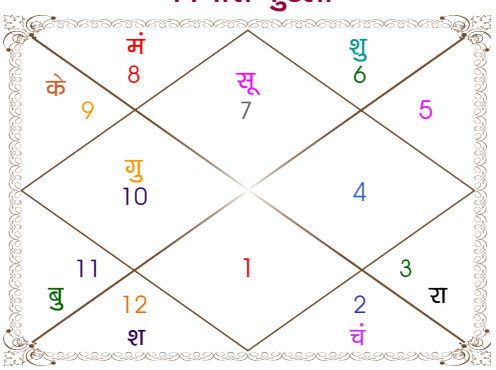

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 1 मास 13 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
18/06/1994		01/08/1999		01/08/2006		31/07/2024		31/07/2040	
01/08/1999		01/08/2006		31/07/2024		31/07/2040		01/08/2059	
	00/00/0000	मंगल	28/12/1999	राहु	13/04/2009	गुरु	18/09/2026	शनि	04/08/2043
	00/00/0000	राहु	14/01/2001	गुरु	06/09/2011	शनि	01/04/2029	बुध	13/04/2046
	00/00/0000	गुरु	21/12/2001	शनि	13/07/2014	बुध	07/07/2031	केतु	23/05/2047
	18/06/1994	शनि	30/01/2003	बुध	30/01/2017	केतु	12/06/2032	शुक्र	22/07/2050
शनि	01/06/1995	बुध	27/01/2004	केतु	17/02/2018	शुक्र	11/02/2035	सूर्य	04/07/2051
बुध	30/10/1996	केतु	24/06/2004	शुक्र	17/02/2021	सूर्य	01/12/2035	चंद्र	02/02/2053
केतु	31/05/1997	शुक्र	25/08/2005	सूर्य	12/01/2022	चंद्र	01/04/2037	मंगल	14/03/2054
शुक्र	30/01/1999	सूर्य	30/12/2005	चंद्र	14/07/2023	मंगल	07/03/2038	राहु	17/01/2057
सूर्य	01/08/1999	चंद्र	01/08/2006	मंगल	31/07/2024	राहु	31/07/2040	गुरु	01/08/2059

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/08/2059		31/07/2076		01/08/2083		02/08/2103		01/08/2109	
31/07/2076		01/08/2083		02/08/2103		01/08/2109		00/00/0000	
बुध	27/12/2061	केतु	27/12/2076	शुक्र	30/11/2086	सूर्य	19/11/2103	चंद्र	02/06/2110
केतु	25/12/2062	शुक्र	26/02/2078	सूर्य	01/12/2087	चंद्र	20/05/2104	मंगल	01/01/2111
शुक्र	24/10/2065	सूर्य	04/07/2078	चंद्र	31/07/2089	मंगल	25/09/2104	राहु	02/07/2112
सूर्य	31/08/2066	चंद्र	02/02/2079	मंगल	30/09/2090	राहु	20/08/2105	गुरु	01/11/2113
चंद्र	30/01/2068	मंगल	01/07/2079	राहु	30/09/2093	गुरु	08/06/2106	शनि	19/06/2114
मंगल	27/01/2069	राहु	19/07/2080	गुरु	31/05/2096	शनि	21/05/2107		00/00/0000
राहु	16/08/2071	गुरु	25/06/2081	शनि	01/08/2099	बुध	26/03/2108		00/00/0000
गुरु	21/11/2073	शनि	04/08/2082	बुध	02/06/2102	केतु	01/08/2108		00/00/0000
शनि	31/07/2076	बुध	01/08/2083	केतु	02/08/2103	शुक्र	01/08/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 1 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।